विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
नेट— ब्यूरो

Code No. : 43

विषयः राजस्थानी

पाठ्यक्रम

इकाई— 1. राजस्थानी भाषा – उद्भव, विकास, एवं बोलियां

i. राजस्थानी भाषा का उद्भव, विकास एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि – वैदिक एवं लौकिक संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश के सन्दर्भ में

ii. राजस्थानी भाषा की प्रमुख बोलियां एवं उनका क्षेत्र— मारवाड़ी, मेवाड़ी, हाड़ौती, ढूंढाड़ी, वागड़ी, मेवाती एवं मालवी

iii. राजस्थानी लिपि – मुड़िया (महाजनी)

iv. राजस्थानी काव्य शैलियां –

- डिंगल – पिंगल शैली
- जैन शैली, चारण शैली, संत शैली एवं लौकिक शैली

Professor Academy

इकाई— 2. राजस्थानी व्याकरण

i. राजस्थानी वर्णमाला

ii. राजस्थानी की विशिष्ट ध्वनियां

iii. राजस्थानी व्याकरण : सामान्य ज्ञान – संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, विशेषण, क्रिया, क्रिया-विशेषण, अविकारी शब्द (अव्यय), समास, उपसर्ग, प्रत्यय, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, शब्द युग्म, अनेकार्थी शब्द, तत्सम, तद्भव एवं देशज शब्द

iv. शब्द-कोश-लेखन परम्परा

इकाई— 3. राजस्थानी साहित्य – काल विभाजन एवं रूप-परम्परा

i. काल-विभाजन –

- प्राचीन काल – सामान्य परिचय
- मध्यकाल – सामान्य परिचय
- आधुनिक काल – सामान्य परिचय

ii. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य के प्रकार एवं काव्य व गद्य-रूप-परम्परा –

- काव्य के प्रकार : प्रबंध काव्य (महाकाव्य, खण्डकाव्य), मुक्तककाव्य
- काव्य–रूप – रासो, वेलि, फागु, पवाड़ा, बारहमासा, सिलोका, संधि, विवाहलो, स्तवन, हीयाळी, चरित
- गद्य–रूप — बात, ख्यात, विगत, वचनिका, दवावैत, बालावबोध, टीका, टब्बा, वंशावली, गुर्वावली, पट्टा

इकाई— 4. प्राचीन राजस्थानी साहित्य

i. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
ii. प्रमुख प्रवृत्तियां
iii. प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएं – वर्गीकरण, विषयवस्तु एवं विशेषताएं

Professor Academy

इकाई— 5. मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य

i. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
ii. प्रमुख प्रवृत्तियां – वीर, भक्ति, शृंगार, नीति, रीति, प्रेमाख्यान एवं प्रकृति परक
iii. प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएं – वर्गीकरण, विषयवस्तु एवं विशेषताएं
iv. प्रमुख संत सम्प्रदाय – नाथ-सिद्ध, गूदड़-पंथ, विश्नोई सम्प्रदाय, दादू पंथ, रामस्नेही, जसनाथी, चरणदासी, लालदासी, निरंजनी, आई पंथ एवं जैन सम्प्रदाय

इकाई— 6. आधुनिक राजस्थानी काव्य

i. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
ii. प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएं – वर्गीकरण, विषयवस्तु एवं विशेषताएं
iii. राष्ट्रीय चेतना परक एवं वीर काव्य
iv. प्रगतिवादी काव्य
v. प्रकृति-परक काव्य
vi. नई कविता
vii. हास्य एवं व्यंग्य प्रधान काव्य
viii. मानवतावादी काव्य
ix. अनूदित काव्य

इकाई— 7. आधुनिक राजस्थानी गद्य

i. प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएं – वर्गीकरण, विषयवस्तु एवं विशेषताएं
ii. कहानी
iii. उपन्यास
iv. नाटक
v. एकांकी
vi. निबंध
vii. संस्मरण एवं रेखाचित्र
viii. अन्य विधाएं : हास्य-व्यंग्य, आत्मकथा, आलोचना, यात्रा–वृतांत, रिपोर्ताज, अनूदित गद्य एवं गद्यगीत

Professor Academy

इकाई— 8. राजस्थानी लोक-साहित्य : विविध विधाएं

- विषयवस्तु, वर्गीकरण एवं विशेषताएं—

i. राजस्थानी लोकगीत
ii. राजस्थानी लोककथा
iii. राजस्थानी लोकगाथा
iv. राजस्थानी लोक नाट्य

v. राजस्थानी लोकोक्ति साहित्य, कहावतें, मुहावरे एवं पहेलियां

इकाई— 9. राजस्थानी लोक संस्कृति : सामान्य परिचय

i. राजस्थानी लोकोत्सव – पर्व, मेले, तीज-त्यौहार
ii. राजस्थानी लोक देवी-देवता
iii. राजस्थानी लोककलाएं – मांडणा, मेंहदी, सांझी, फड़, हस्तशिल्प
iv. राजस्थानी चित्रकला – विभिन्न शैलियां एवं चित्रकार
v. राजस्थानी स्थापत्य कला-विभिन्न शैलियां एवं शिल्पकार
vi. राजस्थानी लोक नृत्य-प्रकार एवं कलाकार
vii. राजस्थानी लोक वाद्य
viii. राजस्थानी-संस्कार, रीतिरिवाज, खान-पान, वेशभूषा एवं आभूषण
ix. राजस्थानी लोक विश्वास एवं शकुन
x. राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति-सेवी संस्थाएं
xi. राजस्थानी पत्र-पत्रिकाएं एवं पुरस्कार

इकाई— 10. राजस्थानी काव्य-शास्त्र

i. राजस्थानी साहित्य के प्रमुख लक्षण ग्रंथ— सामान्य परिचय
ii. काव्य-शास्त्र के प्रमुख सिद्धांत – रस सम्प्रदाय, अंलकार सम्प्रदाय एवं ध्वनि सम्प्रदाय
iii. शब्द शक्ति
iv. **छंद** – दोहा, सोरठा, गीत, कुण्डलिया, छप्पय, नीसांणी, चौपई, झमाल, झूलणा, रेणुकी, कवित्त, चित्त इलोळ
v. **अलंकार** – वयणसगाई, रूपक, उपमा, उत्प्रेक्षा, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, अतिशयोक्ति, व्याजस्तुति, अन्योक्ति, संदेह एवं भ्रांतिमान
vi. **काव्य-दोष** – अंध, छबकाळ, हीण, निनंग, पांगळौ, जातविरोध, अपस्, नाळछेद, पखतूट, बहरौ, अमंगळ

Professor Academy